an>

Title: Need to ensure availability of doctors and medicines in each Primary Health Centre in Uttar Pradesh particularly in eastern Region of Uttar Pradesh.

श्री लल्लू सिंह (फ़ैज़ाबाद) : माननीय अध्यक्ष महोदया, न केवल मेरे संसदीय क्षेत्र वरन आधा उत्तर प्रदेश, लखनऊ से पूर्वांचल तक आवश्यक चिकित्सा के अभाव की समस्या से ग्रस्त है। मामूली रोगों से पीड़ित लोग लखनऊ और दिल्ली 250 किलोमीटर से 1000 किलोमीटर तक इलाज के लिए घर, खेत, पशु बेचकर आने के लिए विवश हैं। कुछ दिन पहले टाइम्स ऑफ इण्डिया में एक सर्वेक्षण का परिणाम प्रकाशित हुआ था कि देश में प्रति वर्ष 5 करोड़ परिवार अपने इलाज के लिए उधार लेते हैं और इस कारण से प्रभावित परिवार गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। सर्वेक्षण का यह परिणाम प्रत्यक्ष मैं तो अपने चारों ओर प्रायः पाता हूं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की सिफारिश है कि चिकित्सा व्यवस्था के लिए जी.डी.पी. का 5 प्रतिशत व्यय आवश्यक है। देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में स्वीकारा गया है कि 2.5 प्रतिशत व्यय किया जाए परन्तु अभी तक मात्र 1.4 प्रतिशत व्यय करने की व्यवस्था देश में है। चीन, ब्राजील, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान सभी भारत से कहीं आगे स्वास्थ्य पर व्यय करते हैं। अमेरिकन सरकार कुल चिकित्सा व्यय पर 47 प्रतिशत, चीन 56 प्रतिशत, जर्मनी 76 प्रतिशत, ब्रिटेन 84 प्रतिशत और भारत केवल 30 प्रतिशत व्यय करता है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह धरातल की सच्चाई को समझे और समस्या का समाधान करे। प्रत्येक प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में चिकित्सक व नःशुल्क दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करवायी जाए।â€¦(व्यवधान)